GANDHIAN IDEOLOGY

आज के संदर्भ में गांधी विचारधारा की प्रासंगिकता

गांधीवादी विचारधारा महात्मा गांधी द्वारा अपनाई और विकसित की गई उन धार्मिक-सामाजिक विचारों का समूह जो उन्होंने पहली बार वर्ष 1893 से 1914 तक दक्षिण अफ्रीका में तथा उसके बाद फिर भारत में अपनाई थी। गांधीवादी दर्शन न केवल राजनीतिक, नैतिक और धार्मिक है बल्कि पारंपरिक और आधुनिक तथा सरल एवं जटिल भी है, लेकिन यह प्राचीन भारतीय संस्कृति में निहित है तथा सार्वभौमिक नैतिक और धार्मिक सिद्धांतों का पालन करता है। गांधीवादी विचारधारा आदर्शवाद पर नहीं, बल्कि व्यावहारिक आदर्शवाद पर जोर देती है।

आज के संदर्भ में गांधीवादी विचारधारा की प्रासंगिकता और बढ़ गई है तथा सामाजिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। सत्य और अहिंसा के आदर्श गांधी के संपूर्ण दर्शन को रेखांकित करते हैं तथा यह आज भी मानव जाति के लिए अत्यंत प्रासंगिक है।

महात्मा गांधी की शिक्षाएं आज भी अधिक प्रासंगिक हो गई हैं जब कि लोग अत्यधिक लालच, व्यापक स्तर पर हिंसा और भागदौड़ भरी जीवनशैली का समाधान खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग, दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला और म्यांमार में आंग सान सू की जैसे लोगों के नेतृत्व में कई उत्पीड़ित समाज के लोगों को न्याय दिलाने हेतु गांधीवादी विचारधारा को सफलतापूर्वक लागू किया गया है, जो इसकी प्रासंगिकता का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

गांधीवादी विचार ने ऐसे संस्थाओं और कार्यप्रणालियों के निर्माण को आकार दिया जहाँ सभी की आवाज और परिप्रेक्ष्य को स्पष्ट किया जा सकता है। उनके अनुसार, लोकतंत्र ने कमजोरों को उतना ही मौका दिया जितना ताकतवरों को। उनके स्वैच्छिक सहयोग, सम्मानजनक और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के आधार पर कार्य करने के सुझाव को कई अन्य आधुनिक लोकतंत्रों में अपनाया गया। साथ ही, राजनीतिक सहिष्णुता और धार्मिक विविधता पर उनका जोर समकालीन भारतीय राजनीति

में अपनी प्रासंगिकता को बनाए रखता है।

सत्य, अहिंसा, सर्वोदय और सत्याग्रह तथा इनके महत्व से गांधीवादी दर्शन बनता है और ये गांधीवादी विचारधारा के चार आधार हैं।

दलाई लामा ने कहा, "आज विश्व शांति और विश्वयुद्ध, अध्यात्म और भौतिकवाद, लोकतंत्र व अधिनायकवाद के बीच एक बड़ा युद्ध चल रहा है।" इन बड़े युद्धों से लड़ने के लिए ये ठीक होगा कि समकालीन समय में गांधीवादी दर्शन को अपनाया जाए।

Dr. Umesh Kumar Rai
Dept. Of History
S. B. College, Ara
M. A. [SEM]- 03.
Session: 2021-2023.
23. 02. 2024
Class- I. (one)
Mob: 8809947478
Email. Id:
ukraisasaram@gmail.com